परिवर्धित-संशोधित

सरस्वती

नई दीप मणिका

संस्कृत-पाठ्यपुस्तकम्

5

लेखिकाएँ

सरोज कुशल
होली चाइल्ड ऑक्ज़ीलियम स्कूल
वसंत विहार
नई दिल्ली

डॉ० शारदा मनोचा
दिल्ली पब्लिक स्कूल
नोएडा

डॉ० निर्मल दलाल
दिल्ली पब्लिक स्कूल
नोएडा

न्यू सरस्वती हाउस (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड
नई दिल्ली-110002 (इंडिया)

© New Saraswati House (India) Private Limited

NEW SARASWATI HOUSE

Head Office : Second Floor, MGM Tower, 19 Ansari Road, Daryaganj, New Delhi–110 002 (India)
Registered Office : A-27, 2nd Floor, Mohan Co-operative Industrial Estate, New Delhi–110 044

Phone : +91-11-4355 6600
Fax : +91-11-4355 6688
E-mail : delhi@saraswatihouse.com
Website : www.saraswatihouse.com
CIN : U22110DL2013PTC262320
Import-Export Licence No. 0513086293

Branches:
- Ahmedabad: Ph. 079-2657 5018 • Bengaluru: Ph. 080-2675 6396
- Chennai: Ph. 044-2841 6531 • Dehradun: Ph. +91-98374 52852
- Guwahati: Ph. 0361-2457 198 • Hyderabad: Ph. 040-4261 5566 • Jaipur: Ph. 0141-4006 022
- Jalandhar: Ph. 0181-4642 600, 4643 600 • Kochi: Ph. 0484-4033 369 • Kolkata: Ph. 033-4004 2314
- Lucknow: Ph. 0522-4062 517 • Mumbai: Ph. 022-2876 9871, 2873 7090
- Nagpur: Ph. +91-70661 49006 • Patna: Ph. 0612-2275 403 • Ranchi: Ph. 0651-2244 654

Revised edition 2019
Reprinted 2020

ISBN: 978-93-52726-41-7

The moral rights of the author has been asserted.

© New Saraswati House (India) Private Limited

Publisher's Warranty: The Publisher warrants the customer for a period of 1 year from the date of purchase of the Book against any Printing/Binding defect or theft/loss of the book.
Terms and Conditions apply: For further details, please visit our website www.saraswatihouse.com or call us at our Customer Care (toll free) No.: +91-1800 2701 460
Jurisdiction: All disputes with respect to this publication shall be subject to the jurisdiction of the Courts, Tribunals and Forums of New Delhi, India Only.
All rights reserved under the Copyright Act. No part of this publication may be reproduced, transcribed, transmitted, stored in a retrieval system or translated into any language or computer, in any form or by any means, electronic, mechanical, magnetic, optical, chemical, manual, photocopy or otherwise without the prior permission of the copyright owner. Any person who does any unauthorised act in relation to this publication may be liable to criminal prosecution and civil claims for damages.

Product Code: NSS2NDM050SKTAC18CBY

This book is meant for educational and learning purposes. The author(s) of the book has/have taken all reasonable care to ensure that the contents of the book do not violate any copyright or other intellectual property rights of any person in any manner whatsoever. In the event the author(s) has/have been unable to track any source and if any copyright has been inadvertently infringed, please notify the publisher in writing for any corrective action.

PRINTED IN INDIA
By Vikas Publishing House Private Limited, Plot 20/4, Site-IV, Industrial Area Sahibabad, Ghaziabad–201 010 and published by New Saraswati House (India) Private Limited, 19 Ansari Road, Daryaganj, New Delhi–110 002 (India)

© New Saraswati House (India) Private Limited

आमुख

'नई दीप मणिका' एक नए रूप में आपके समक्ष प्रस्तुत है। इसके लेखन में इस बात का ध्यान रखा गया है कि संस्कृत को छात्रों की रुचि और क्षमता के अनुकूल सरल, सुगम तथा सुपाठ्य रूप में प्रस्तुत किया जाए। पाठों की रचना करते समय संस्कृत भाषा के व्याकरण के नियमों एवं उनके आधार पर भाषा संबंधी ज्ञान का संप्रेषण करने का प्रयास किया गया है।

समय के साथ-साथ पाठ्यक्रमों में परिवर्तन होते रहे। तदनुसार **दीप मणिका** के संस्करणों में भी संशोधन, परिवर्तन और परिवर्धन किया गया। आवश्यकतानुसार नए पाठों का समावेश किया गया तथा पाठ के अंत में दिए गए अभ्यासों का नवीनतम पाठ्यक्रम के आधार पर संशोधन एवं पुनर्लेखन किया गया।

पाँचवीं से आठवीं कक्षा तक के लिए तैयार की गई 'नई दीप मणिका' की इस श्रृंखला में उत्तरोत्तर शब्दार्थ के अतिरिक्त संधि-विच्छेद, संयोगयुक्त शब्द, प्रत्यय एवं उपसर्गयुक्त शब्द, नई धातुएँ, नए अव्यय एवं समस्तपदों का समावेश किया गया है। 'विशेष' तथा 'याद रखें' शीर्षकों के अंतर्गत विभिन्न उदाहरणों द्वारा व्याकरण के नियमों को सुचारु रूप से समझाया गया है।

प्रश्नों का विभिन्न श्रेणियों में विभाजन किया गया है। इनमें एकपदीय, बहुविकल्पीय, शब्दार्थ मेलन, वचन-परिवर्तन, काल-परिवर्तन, वाक्य-शोधन, उचित पद-चयन, संस्कृत में अनुवाद, रिक्त स्थान-पूर्ति, पद-परिचय आदि का समावेश किया गया है। इसी प्रकार 'क्रियाकलापः' के अंतर्गत तालिका-निर्माण, चित्र-वर्णन, व्याकरण के सिद्धांतों का सचित्र निरूपण आदि के द्वारा विद्यार्थियों को अपनी सृजनात्मक क्षमता और भाषा कौशल का विकास करने के लिए प्रेरित किया गया है। मूल्यपरक प्रश्नों और सूक्तियों के माध्यम से जीवन मूल्यों और नैतिक मूल्यों का भी ज्ञान कराया गया है। कुछ प्रश्न बुद्धि-कौशल के विकास (HOTS) पर भी आधारित हैं।

कक्षा-5 की इस पुस्तक में संस्कृत के वर्णों का ज्ञान, वर्ण-विच्छेद, वर्ण-संयोग, संज्ञा शब्दों का लिंगानुसार तथा वचनानुसार विभाजन, शब्दार्थ, परिवर्तनीय एवं अपरिवर्तनीय धातुएँ तथा उनका लट् लकार में प्रयोग, सर्वनामों एवं उनका पुरुष-वचन-लिंगानुसार विभाजन तथा वाक्यों में प्रयोग, संख्यावाची शब्दों का ज्ञान, संस्कृत में अनुवाद आदि का समावेश किया गया है।

आशा है कि मेरा यह लघु प्रयास संस्कृत के सभी छात्रों और शिक्षकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

–सरोज कुशल

© New Saraswati House (India) Private Limited

विषय-सूची

• पाठानां विवरणम् .... (vi-x)

• संस्कृत-वर्णमाला 11

1. संयुक्तवर्णाः 12-15

2. अकारान्त-पुंल्लिग-शब्दाः 16-24

3. आकारान्त-स्त्रीलिंग-शब्दाः 25-30

4. अकारान्त-नपुंसकलिंग-शब्दाः 31-37

5. धातु-परिचयः (क्रिया) 38-42

6. सर्वनाम-परिचयः 43-45

7. प्रथमपुरुषः, एकवचनम् 46-50

8. प्रथमपुरुषः, द्विवचनम् 51-54

© New Saraswati House (India) Private Limited

9. प्रथमपुरुषः, बहुवचनम् 55–59

10. मध्यमपुरुषः, एकवचनम् 60–62

11. मध्यमपुरुषः, द्विवचनम् 63–65

12. मध्यमपुरुषः, बहुवचनम् 66–69

13. उत्तमपुरुषः, एकवचनम् 70–72

14. उत्तमपुरुषः, द्विवचनम् 73–75

15. उत्तमपुरुषः, बहुवचनम् 76–79

16. संख्यावाची-शब्दाः 80–84

- परिशिष्टम् 85–86
- अभ्यास-पुस्तिका 87–94
- अभ्यास-प्रश्नपत्रम्–1 95–96
- अभ्यास-प्रश्नपत्रम्–2 97–99

© New Saraswati House (India) Private Limited

पाठानां विवरणम्

पाठ-संख्या	शीर्षकम्	पृष्ठ संख्या	भाषायाः कौशलम्			अभ्यासकार्यम्	क्रियाकलापः	उद्देश्यम्
			अवबोधनम्	शब्दज्ञानम्	भाषाज्ञानम्			
•	**प्रार्थना**	(x)	केवलं पठनाय, गानाय, स्मरणाय, अवबोधनाय, जीवने ग्रहणाय च।					
•	**संस्कृत-वर्णमाला**	11	उचितपदचयनम्, स्वराणां व्यञ्जनानां च पृथक्करणम् पञ्चमवर्णस्य विशेष ज्ञानम्।	वर्णानां वर्गीकरणम्, स्वरव्यञ्जनयोः ज्ञानम्।	व्यञ्जनैः सह स्वराणाम् संयोगः, अयोगवाहस्य परिचयः।	स्वराणां व्यञ्जनानां च तालिका-निर्माणम्।	व्यञ्जनैः सह स्वराणां संयोगेन शब्दनिर्माणम्।	वर्णपरिचयः
1.	**संयुक्तवर्णाः**	12	संयुक्तवर्णपरिचयः, शब्दानां वर्गीकरणम् ज्ञानम् च। वर्णविच्छेदस्य संयोगस्य च ज्ञानम्।	संयुक्तव्यञ्जनैः निर्मिताः शब्दाः।	वर्गानुसारेण शब्दानां अकारान्त इकारान्तादिषु वर्गीकरणम्।	शब्दानां वर्ण-विच्छेदः संयोगश्च, बहुविकल्पी प्रश्नाः।	जीवनोपयोगीशब्दानाम् सञ्चिकायां लेखनम्।	शुद्धशब्दज्ञानम्
2.	**अकारान्त-पुंल्लिग-शब्दाः**	25	पुल्लिगशब्दानां ज्ञानम्, वचनानाम् ज्ञानम् अवबोधनं च।	अकारान्तपुल्लिगशब्दाः तेषां प्रथमाविभक्तेः रूपाणि।	विभिन्न-पशु-पक्षि-वस्तूनाम् संस्कृत नामानि।	पुल्लिगशब्दानाम् ज्ञानम्, वचनानुसार शब्दानां विभाजनम्, बहुविकल्पीप्रश्नाः उचितपदचयनम् च।	क्रीडनकैः अकारान्त पुल्लिगशब्दानां ज्ञानं वचन-भेदं च।	अकारान्त-पुल्लिग-शब्दपरिचयः।
3.	**आकारान्त-स्त्रीलिंग-शब्दाः**	31	आकारान्तस्त्रीलिंग शब्दपरिचयः, वचनानुसारेण ज्ञानम्।	आकारान्तस्त्रीलिंग शब्दानां ज्ञानम् वचनानुसारेण वर्गीकरणम् च।	नवीन-आकारान्त-स्त्रीलिंग-संस्कृत-शब्दानाम् ज्ञानम्।	शब्दार्थाः, वचनानु-सारेण वर्गीकरणम्, उचितपदचयनम् बहुविकल्पीप्रश्नाः च।	आकारान्त स्त्रीलिंग पशु-पक्षि-वस्तूनाम् चित्राणां सञ्चिकायां संकलनम्।	आकारान्त स्त्रीलिंग-शब्दपरिचयः।
4.	**आकारान्त-नुपंसकलिंग-शब्दाः**	38	नपुंसकलिंगशब्दानाम् परिचयः वचनानुसारेण ज्ञानम्। 'नि' स्थाने 'णि' प्रयोगस्य अवबोधनम्।	नपुंसकलिंगफलानाम्, पशूनाम्, पक्षिणां, वस्तूनां शब्दानां च परिचयः। वचनानुसारेण वर्गीकरणम्।	नपुंसकलिंगशब्दानाम् अर्थानाम् च ज्ञानम्।	रिक्तस्थानपूर्तिः, उचित पदचयनम्, वचन-लिंगानुसारेण वर्गीकरणम्, बहुविकल्पीप्रश्नाः।	चित्राणां सहायतया लिंग-वचन-भेदस्य निरूपणम्।	नपुंसकलिंग-शब्द-परिचयः।

© New Saraswati House (India) Private Limited

पाठ-संख्या	शीर्षकम्	पृष्ठ संख्या	भाषायाः कौशलम्			अभ्यासकार्यम्	क्रियाकलापः	उद्देश्यम्
			अवबोधनम्	शब्दज्ञानम्	भाषाज्ञानम्			
5.	**धातु-परिचयः (क्रिया)**	43	धातूनां परिचयं अर्थश्च।	प्रथमपुरुषस्य धातुरूपाणां ज्ञानम् अर्थम् च।	धातूनां भाषायां प्रयोगः, तेषां अर्थम् च।	उचितपदचयनम्, उचितपदमेलनम् अर्थचयनम् च।	शब्दकोष-निर्माणम्, चित्रैः धातूनाम् निरूपणम्।	जीवनोपयोगी धातूनां परिचयः।
6.	**सर्वनाम-परिचयः**	46	सर्वनामानां परिचयः प्रथमा विभक्तेः रूपाणि च। 'तत्, एतत्' सर्वनामयोः भदेः।	तत्, एतत्, इदम्, किम् युष्मद्, अस्मद् सर्वनामानां ज्ञानम्।	सर्वनामानां प्रयोगं तेषां अर्थानि च।	शब्दार्थमेलनम्, सर्वनामानां प्रथमा- विभक्तेः रूपाणि, बहुविकल्पीप्रश्नाः, उचित-पदचयनम्।	'ते, एते, इमे, के' इति सर्वनामानां विभिन्न-सन्दर्भेषु प्रयोगाः।	सर्वनामानां भाषायां प्रयोगः।
7.	**प्रथमपुरुषः, एकवचनम्**	51	प्रथम पुरुष-एकवचनस्य वाक्यरचना। संज्ञास्थाने एकवचनस्य सर्वनाम-प्रयोग	विभिन्नधातूनां प्रथमपुरुषस्य एकवचने प्रयुक्तशब्दानां ज्ञानम् प्रयोगश्च।	कर्ताक्रियायाः च मेलनेन वाक्यनिर्माणम्।	चित्रानुसारेण वाक्य-निर्माणम्, रिक्तस्थानपूर्तिः, शब्दार्थमेलनम् मूल्यपरक-प्रश्नाः संस्कृतानुवादं च।	धातूनां प्रयोगस्य सचित्र आलेखनम्।	प्रथमपुरुष-एकवचनस्य वाक्यरचना।
8.	**प्रथमपुरुषः, द्विवचनम्**	55	पुल्लिंग-स्त्रीलिंग-नपुंसक-लिंगस्य द्विवचनस्य प्रथमपुरुषस्य च वाक्य-निर्माणम्, तदनुसारेण सर्वनामानां प्रयोगः।	प्रथमपुरुष-बहुवचनस्य शब्दानां धातूनां च ज्ञानं प्रयोगश्च।	प्रथमपुरुष-द्विवचनस्य कर्तृभिः सह उपयुक्त धातुमेलनेन वाक्य-निर्माणम्।	शब्दार्थमेलनम्, उचितपदचयनम्, एकवचन- द्विवचन- सर्वनामैः क्रियापदैश्च रिक्तस्थानपूर्तिः, बहुविकल्पीप्रश्नाः मूल्यपरक-प्रश्नाः च।	चित्रैः परिवर्तनीय-अपरिवर्तनीय-धातूनां निरूपणं तालिका-निर्माणम् च।	प्रथमपुरुष-द्विवचनस्य ज्ञानं वाक्यरचना च।
9.	**प्रथमपुरुषः, बहुवचनम्**	60	त्रिषु लिंगेषु प्रथमपुरुष-बहुवचनस्य वाक्यानां परिचयः निर्माणं च। बहुवचने सर्वनामानां प्रयोगः।	प्रथमपुरुष-बहुवचनस्य शब्दानां धातूनां च ज्ञानं प्रयोगश्च। 'किम्' सर्वनाम शब्दानां ज्ञानम्।	संज्ञाभिः सर्वनामैः सह धातु मेलनेन विभिन्न-वाक्यानां रचना। 'किम्' सर्वनामेन प्रश्ननिर्माणम्।	बहुविकल्पीप्रश्नाः, वचनपरिवर्तनम्, वाक्यानां शुद्धीकरणम्, उचितपदचयनम् मूल्यपरक-प्रश्नाः च।	विभिन्नचित्रैः क्रियाभिः सह कर्तृपदानां सम्मेलनं सूचीनिर्माणं च।	प्रथमपुरुष-बहुवचनस्य परिचयः वाक्य-निर्माणं च।

© New Saraswati House (India) Private Limited

पाठ-संख्या	शीर्षकम्	पृष्ठ संख्या	भाषायाः कौशलम्			अभ्यासकार्यम्	क्रियाकलापः	उद्देश्यम्
			अवबोधनम्	शब्दज्ञानम्	भाषाज्ञानम्			
10.	**मध्यमपुरुषः, एकवचनम्**	63	मध्यमपुरुषस्य एकवचनस्य सर्वनामेन सह प्रचलितक्रियाणां मेलनेन वाक्य निर्माणम्।	'त्वं' इति सर्वनामेन सह विभिन्नक्रियाणां प्रयोगेण वाक्यरचना।	नवीनधातूनां नवीन-अव्ययानां च ज्ञानं प्रयोगः च।	शब्दार्थमेलनम्, उचित-पदचयनम्, अव्यय-प्रयोगः, मञ्जूषातः वाक्यपूर्तिः, संस्कृतानुवादं च।	'त्वम्' सर्वनामस्य प्रयोगं कृत्वा वाक्यानां निर्माणम्।	मध्यमपुरुष-एकवचनस्य परिचयः।
11.	**मध्यमपुरुषः, द्विवचनम्**	66	मध्यमपुरुष-द्विवचनम् आधृत्य विभिन्न वाक्यानाम् निर्माणम्। अव्ययानाम् अवबोधनम्।	'युवाम्' सर्वनामस्य विभिन्न-क्रियाभिः सह मेलनेन वाक्यनिर्माणम्। अव्यय शब्दाः, तेषां प्रयोगश्च।	'युवाम्' शब्देन सह धातूनां संयोगः।	उचित-पदचयनम्, शब्दार्थमेलनं मूल्यपरक-प्रश्नाः संस्कृतानुवादं च।	वाक्यनिर्माणेन एकवचनद्विवचनयोः अन्तरं स्पष्टं कुर्वन् चार्ट-निर्माणम्।	मध्यमपुरुषद्विवचनस्य परिचयः प्रयोगः च।
12.	**मध्यमपुरुषः, बहुवचनम्**	70	मध्यमपुरुष-बहुवचनस्य ज्ञानम् वाक्यरचना च।	मध्यमपुरुषस्य सर्वनाम-क्रिया-कर्म-कर्त्तावाची शब्दानां ज्ञानम् प्रयोगः च।	मध्यमपुरुषस्य सर्वनामेन सह धातूनां मेलनं, वाक्यनिर्माणं च।	बहुविकल्पीप्रश्नाः, उचितशब्दचयनं, वचनपरिवर्तनं, वाक्य-शोधनम्, संस्कृतानुवादं असंगतपदचयनं मूल्यपरक-प्रश्नाः च।	परस्परवार्तालापेन मध्यमपुरुषस्य सर्वेषु वचनेषु वाक्य-निर्माणम्।	मध्यमपुरुषस्य सम्पूर्ण-परिचयः।
13.	**उत्तमपुरुषः, एकवचनम्**	73	'अहम्' इति उत्तम-पुरुष-एकवचनस्य सर्वनामेन सह धातूनां योजनेन वाक्यरचना।	उत्तमपुरुषस्य एकवचनस्य सर्वनाम- कर्त्ता-क्रियावाची शब्दानाम् ज्ञानम्, अव्ययशब्दानाम् प्रयोगः।	उत्तमपुरुषस्य एकवचनस्य सर्वनामेन सह धातूनां उचितरूपस्य योजनम्।	शब्दार्थमेलनम्, प्रश्नानां एकपदेन उत्तराणि, संस्कृतानुवादं मूल्यपरक-प्रश्नाः च। मञ्जूषातः रिक्तस्थानपूर्तिः।	प्रश्नोत्तरविधिना स्पष्टीकरणम् यत् मध्यमपुरुषस्य प्रश्नानाम् उत्तराणि उत्तमपुरुषे एव भवति।	उत्तमपुरुष-एकवचनस्य नित्यजीवने प्रयोगः।

© New Saraswati House (India) Private Limited

पाठ-संख्या	शीर्षकम्	पृष्ठ संख्या	भाषायाः कौशलम्			अभ्यासकार्यम्	क्रियाकलापः	उद्देश्यम्
			अवबोधनम्	शब्दज्ञानम्	भाषाज्ञानम्			
14.	**उत्तमपुरुषः, द्विवचनम्**	76	उत्तमपुरुष-द्विवचनस्य कर्ता-क्रिया-मेलनेन वाक्यरचना।	'आवाम्' शब्देन सह योजनीय-क्रियापदानां परिचयः प्रयोगश्च। अव्ययशब्दाः।	उत्तमपुरुषस्य द्विवचनस्य नित्यजीवने प्रयुक्तानां वाक्यानां ज्ञानम्।	शब्दार्थमेलनं, प्रश्नानाम् एकपदैः उत्तराणि, संस्कृतानुवादं मूल्यपरक-प्रश्नाः च।	उत्तमपुरुष-एकवचन द्विवचनम् आधृत्य प्रश्नोत्तराणां चार्ट-निर्माणम्।	उत्तमपुरुष-द्वि वचनस्य ज्ञानम्।
15.	**उत्तमपुरुषः, बहुवचनम्**	80	'वयम्' सर्वनामेन सह धातूनां मेलनं वाक्यनिर्माणम् च।	'वयम्' सर्वनामशब्दः, उत्तमपुरुषबहुवचनस्य क्रियावाची-शब्दाः, अव्ययशब्दाः प्रयोगश्च।	उत्तमपुरुषबहुवचनस्य वाक्यानां रचना।	बहुविकल्पीप्रश्नाः, उचितपदचयनं, प्रश्नोत्तराणि, संस्कृतानुवादं मूल्यपरक-प्रश्नाः च।	प्रश्नोत्तरेण मध्यमपुरुषस्य प्रश्नानाम् उत्तमपुरुषे उत्तराणां चार्ट-निर्माणम्। प्रदत्तशब्दैः वाक्यरचना।	उत्तमपुरुषस्य सम्पूर्ण ज्ञानम्।
16.	**संख्यावाची-शब्दाः**	87	विंशति यावत् संख्यावाचीशब्दानां ज्ञानम्।	संख्यावाचीशब्दाः।	विंशति यावत् अंकानाम् संस्कृतशब्देषु निरूपणं प्रयोगम् च।	अंकानां संस्कृतशब्देषु लेखनं विलोमश्च।	चित्रैः संख्यावाची शब्दानां निरूपणम्।	संख्यावाची-शब्दानां ज्ञानम्।

© New Saraswati House (India) Private Limited

प्रार्थना

1. **ओ३म् भूर्भुवः स्वः।**
तत्सवितुर्वरेण्यम्
भर्गो देवस्य धीमहि
धियो यो नः प्रचोदयात्॥
अर्थ—जो सभी जीवों को प्राण देता है, सभी दुखों को दूर करता है तथा नाना प्रकार के सुखों को देने वाला है, हम सब उस श्रेष्ठ, दीप्तिमान देवता सूर्य का ध्यान करें (जिससे) कि वह हमारी बुद्धि को प्रेरित करे।

2. **नमामि ईश्वरं पूर्वम् ततः श्रेष्ठान् नमाम्यहम्।**
काले करोमि कार्याणि, पठनं क्रीडनम् तथा॥
अर्थ—मैं पहले ईश्वर को प्रणाम करता हूँ, फिर बुज़ुर्गों को प्रणाम करता हूँ। पढ़ना, खेलना आदि कार्य समय पर करता हूँ।

3. **ओ३म् द्यौः शान्तिः अन्तरिक्षं शान्तिः पृथ्वी**
शान्तिरापः शान्तिरौषधयः शान्तिः वनस्पतयः
शान्तिः विश्वेदेवाः शान्तिः ब्रह्माशान्तिः सर्वम्
शान्तिः। शान्तिरेव शान्तिः सा मा शान्तिरेधि।
ओ३म् शान्तिः शान्तिः शान्तिः ओ३म्॥
अर्थ—द्यूलोक (सूर्य, चंद्र, तारा आदि) में शांति रहे, अंतरिक्ष में शांति हो, पृथ्वी पर शांति रहे, औषधियों में शांति हो, वनस्पतियों में शांति रहे, विश्व के देवता (सभी जीवों) में शांति व्याप्त हो, ब्रह्मा शांत रहें, सब कुछ शांत हो। शांति ही (शक्ति रूपा) शांति है, (अतः) वह मुझे शांति प्रदान करे। (अधिभौतिक) शांति हो, (आध्यात्मिक) शांति प्राप्त हो, (आधिदैविक) शांति रहे।

© New Saraswati House (India) Private Limited

संस्कृत-वर्णमाला

वर्ण अर्थात् अक्षर। इन वर्णों से बनते हैं शब्द। शब्दों से बनती है भाषा। हर भाषा के निश्चित वर्ण होते हैं। भाषा का रूप समय और स्थान के अनुसार बदलता रहता है। आज जो हिंदी भाषा हम पढ़ते हैं, वह संस्कृत का ही बदला हुआ और विकसित रूप है। हाँ, दोनों भाषाओं की वर्णमाला आज भी एक है। केवल कुछ वर्णों का ही परिवर्तन हुआ है।

संस्कृत की वर्णमाला में 13 स्वर और 33 व्यंजन हैं।

स्वर– जिन वर्णों को बोलते समय किसी दूसरे वर्ण की सहायता न लेनी पड़े, उन्हें स्वर कहते हैं–
अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ॠ, ऌ, ए, ऐ, ओ, औ

व्यंजन– जिन वर्णों को बोलते समय स्वरों की सहायता लेनी पड़े, उन्हें व्यंजन कहते हैं। वर्णमाला में व्यंजनों के पाँच वर्ग होते हैं–

क्	ख्	ग्	घ्	ङ्	(क वर्ग)
च्	छ्	ज्	झ्	ञ्	(च वर्ग)
ट्	ठ्	ड्	ढ्	ण्	(ट वर्ग)
त्	थ्	द्	ध्	न्	(त वर्ग)
प्	फ्	ब्	भ्	म्	(प वर्ग)
य्	र्	ल्	व्		
श्	ष्	स्	ह्		

विशेष– 1. आधुनिक संस्कृत में अधिकतर 11 स्वर ही मान्य हैं क्योंकि **'ॠ'** और **'ऌ'** का प्रयोग बहुत कम देखने को मिलता है।

2. जब व्यंजन के साथ स्वर मिला दिया जाता है तो हल् चिह्न (्) का लोप हो जाता है; जैसे–

1. क् + अ = क 2. ज् + उ = जु 3. ह् + ओ = हो 4. म् + आ = मा
5. त् + ऊ = तू 6. य् + औ = यौ 7. ख् + इ = खि 8. न् + ए = ने
9. घ् + ऋ = घृ 10. स् + ई = सी 11. ग् + ऐ = गै 12. ल् + ऋ = लृ

इसके अतिरिक्त दो अयोगवाह होते हैं–अनुस्वार और विसर्ग।

अनुस्वार(ं)–अंशुः, संयोगः   विसर्ग(:)–रामः, बालकः

3. संस्कृत में वर्ग के पंचम वर्ण को अगले वर्ण के साथ जोड़कर लिखा जाता है, जबकि हिंदी में यह अनुस्वार के रूप में ही लिखा जाता है, जैसे–

हिंदी	**संस्कृत**	**हिंदी**	**संस्कृत**
पंचम	पञ्चम	घंटा	घण्टा
अंक	अङ्क	अंबा	अम्बा

© New Saraswati House (India) Private Limited

1 संयुक्तवर्णाः

जब दो व्यंजनों को मिलाकर एक कर दिया जाता है, तो वह संयुक्त वर्ण कहलाता है।
जैसे–

क् + ष् + अ = क्ष – कक्षा, वृक्ष, क्षमा, अक्षर
त् + र् + अ = त्र – मित्र, चित्र, शत्रु, पवित्र
ज् + ञ् + अ = ज्ञ – ज्ञान, आज्ञा, विज्ञान, संज्ञा
द् + य् + अ = द्य – विद्या, उद्यम, उद्योग, यद्यपि
द् + व् + अ = द्व – द्वेष, द्वार, द्वन्द्व, विद्वत्ता
द् + ध् + अ = द्ध – युद्ध, वृद्ध, शुद्ध, क्रुद्ध
ध् + य् + अ = ध्य – अध्याय, ध्यान, संध्या, अध्यापक
प् + र् + अ = प्र – प्रेम, प्रेरणा, प्रसन्न, प्रशान्त
क् + त् + अ = क्त – भक्त, मुक्ति, रक्त, शक्ति
श् + र् + अ = श्र – श्रद्धा, विश्राम, श्रमिक, श्रवण

वर्ण-विच्छेद

प्रत्येक शब्द कुछ वर्णों से मिलकर बनता है। इन वर्णों को अलग-अलग करने को वर्ण-विच्छेद कहते हैं। संस्कृत में वर्ण-विच्छेद किया जाता है तो अंत में जो स्वर होता है, उसी नाम से वह शब्द कहलाता है; जैसे–यदि अंत में अ हो तो अकारान्त, आ हो तो आकारान्त, इ हो तो इकारान्त, ऋ हो तो ऋकारान्त इत्यादि।

आइए, अब कुछ शब्दों का वर्ण-विच्छेद करके देखते हैं–

1. कमल = क् + अ + म् + अ + ल् + अ (अकारान्त)
2. राम = र् + आ + म् + अ (अकारान्त)
3. रमा = र् + अ + म् + आ (आकारान्त)
4. लता = ल् + अ + त् + आ (आकारान्त)
5. कवि = क् + अ + व् + इ (इकारान्त)
6. मति = म् + अ + त् + इ (इकारान्त)
7. नदी = न् + अ + द् + ई (ईकारान्त)

© New Saraswati House (India) Private Limited

8. पृथ्वी = प् + ऋ + थ् + व् + ई (ईकारान्त)
9. शिशु = श् + इ + श् + उ (उकारान्त)
10. गुरु = ग् + उ + र् + उ (उकारान्त)
11. वधू = व् + अ + ध् + ऊ (ऊकारान्त)
12. मातृ = म् + आ + त् + ऋ (ऋकारान्त)
13. पितृ = प् + इ + त् + ऋ (ऋकारान्त)
14. राजन् = र् + आ + ज् + अ + न् (हलन्त)
15. वाच् = व् + आ + च् (हलन्त)

वर्ण-संयोग

दो या दो से अधिक वर्णों को मिलाकर शब्द बनाने की प्रक्रिया **वर्ण-संयोग** या **वर्ण-संयोजन** कहलाती है; जैसे–

र् + आ + ज् + अ + न् = राजन्
व् + इ + ज् + ञ् + आ + न् + अ = विज्ञान
द् + व् + इ + त् + ई + य् + अ = द्वितीय
म् + इ + त् + र् + अ = मित्र

अभ्यास

सम्प्रति लेखनीयम्

1. **संयुक्तव्यञ्जनैः युक्तान् शब्दान् चित्वा सञ्चिकायां लिखत।**
(संयुक्त व्यंजन वाले शब्दों को चुनकर संचिका में लिखिए। Select and write the words with conjuct-consonants in notebook.)
ऋषि, पृथ्वी, सरित्, उद्योग, कवि, विश्राम, अक्षर, ज्ञान, द्वेष, मति, मुक्ति, विद्वान्, शक्ति, राजन्, पवित्र।

2. **निम्नसंयुक्ताक्षरैः निर्मितैः त्रीन् शब्दान् लिखत।**
(निम्न संयुक्त अक्षरों से बने तीन शब्द लिखिए। Write three words made up of given conjunct-consonants.)

उदाहरणम्–

प्र	प्रयास	प्रथा	सप्रेम
(क) न्य	....	....	....
(ख) च्छ	....	....	....
(ग) प्य	....	....	....
(घ) श्य	....	....	....

© New Saraswati House (India) Private Limited

3. निम्नशब्दानां वर्णविच्छेदं कुरुत।

(निम्न शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए। Split the following words into consonants and vowels.)

(क) वृन्दा = ... + ... + ... + ... + ...

(ख) आज्ञा = ... + ... + ... + ... + ...

(ग) कक्षा = ... + ... + ... + ... + ...

(घ) इच्छा = ... + ... + ... + ... + ...

(ङ) पत्र = ... + ... + ... + ... + ...

4. वर्णसंयोगं कुरुत।

(वर्ण संयोग कीजिए। Join the letters.)

(क) ऋ + ष् + इः = ...

(ख) म् + अ + य् + ऊ + र् + अः = ...

(ग) श् + व् + आ + न् + अः = ...

(घ) प् + उ + स् + त् + अ + क् + अ + म् = ...

© New Saraswati House (India) Private Limited

(ङ) स् + ऊ + र् + य् + अः = ...

(च) न् + अ + द् + ई = ...

मूल्यपरकम्

1. किम् त्वम् सहचरैः सह सद्भावेन व्यवहरसि? (क्या तुम साथियों के साथ अच्छा व्यवहार करते हो?)
2. किम् त्वम् गृहे मातामहस्य सहायतां करोषि? (क्या तुम घर में नाना जी की सहायता करते हो?)

क्रियाकलापः

1. शिक्षक छात्रों से कक्षा के विद्यार्थियों के नाम लिखवाएँ। उनके नामों का वर्ण-विच्छेद करवाएँ, तत्पश्चात् इन नामों को अकारान्त, आकारान्त आदि वर्गों में विभाजित करवाएँ तथा संचिका में लिखवाएँ।

छात्र का नाम	वर्ण-विच्छेद	वर्ग
(क) दिनेश	द् + इ + न् + ए + श् + <u>अ</u>	अकारान्त
(ख) मधु	म् + अ + ध् + <u>उ</u>	उकारान्त

2. छात्र संयुक्त व्यंजनों से युक्त कम से कम 20 शब्द संचिका में लिखें।
3. पाँच फूलों, वृक्षों, पशुओं के नाम लिखकर उनके चित्र बनाइए और वर्ण-विच्छेद कीजिए।

सूक्तिः

॥ अविद्यस्य कुतः सुखम् ॥

(विद्याहीन को सुख नहीं मिलता)

© New Saraswati House (India) Private Limited

2 अकारान्त–पुंल्लिग–शब्दाः

संस्कृत में तीन लिंग होते हैं–

1. पुंल्लिग–जैसे **बालः** (लड़का)

2. स्त्रीलिंग–जैसे **बाला** (लड़की)

3. नपुंसकलिंग–जैसे **फलम्** (फल)

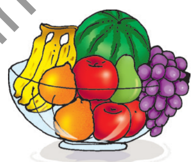

जो शब्द पुरुष जाति का ज्ञान कराते हैं तथा जिनके अंत में 'अ' स्वर आता है वे अकारान्त-पुंल्लिग शब्द होते हैं।

संस्कृत में वचन भी तीन होते हैं–

1. एकवचन (बालः)

2. द्विवचन (बालौ)

3. बहुवचन (बालाः)

एकवचन–जिससे एक का बोध हो, उसे एकवचन कहते हैं; जैसे–अश्वः।

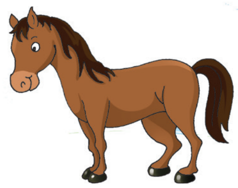

द्विवचन–जिससे दो का बोध हो, उसे द्विवचन कहते हैं; जैसे–अश्वौ।

बहुवचन–जिससे तीन या तीन से अधिक का बोध हो, उसे बहुवचन कहते हैं; जैसे–अश्वाः।

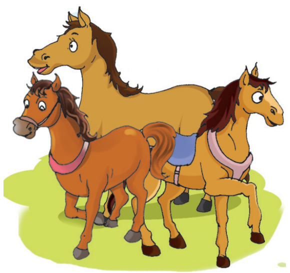

© New Saraswati House (India) Private Limited

पुंल्लिंग-शब्दाः

एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
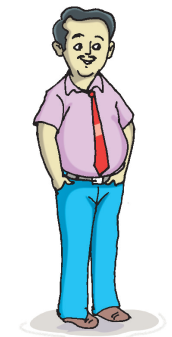	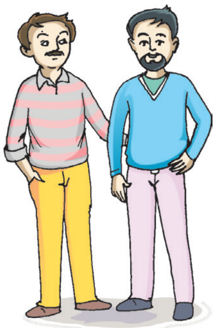	
नरः (मनुष्य)	नरौ (दो मनुष्य)	नराः (अनेक मनुष्य)
कृषकः	कृषकौ	कृषकाः
सैनिकः	सैनिकौ	सैनिकाः
श्रमिकः	श्रमिकौ	श्रमिकाः

© New Saraswati House (India) Private Limited

एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
पत्रवाहकः	पत्रवाहकौ	पत्रवाहकाः
मूषकः	मूषकौ	मूषकाः
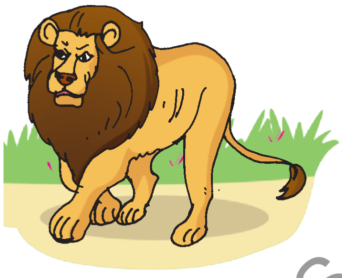		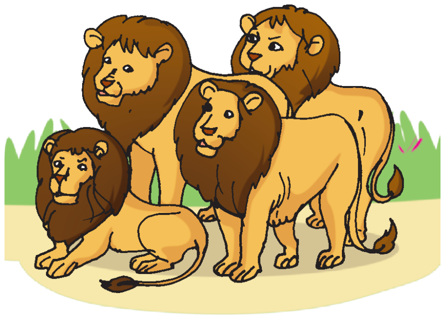
सिंहः	सिंहौ	सिंहाः
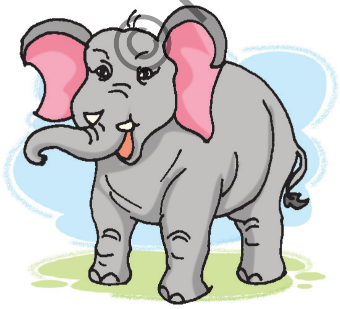	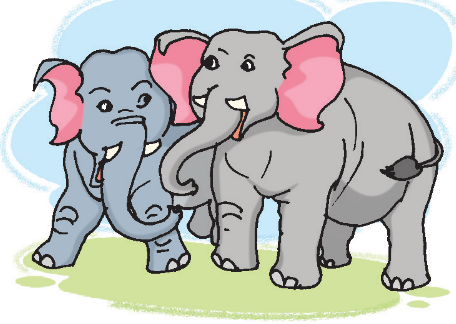	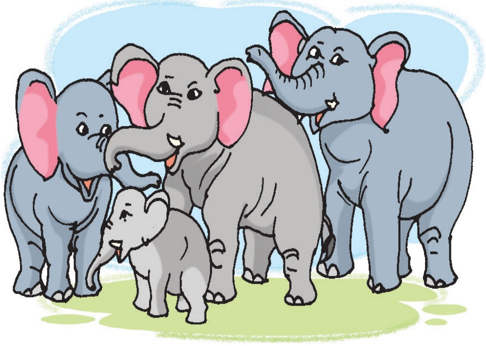
गजः	गजौ	गजाः

© New Saraswati House (India) Private Limited

एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
चित्रकः	चित्रकौ	चित्रकाः
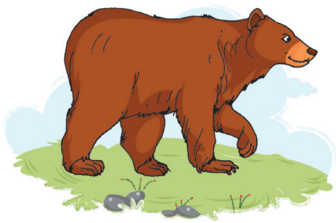	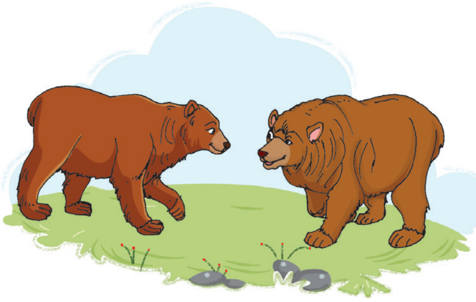	
भल्लुकः	भल्लुकौ	भल्लुकाः
	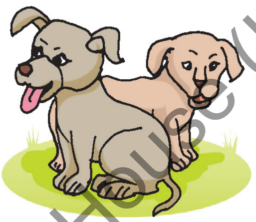	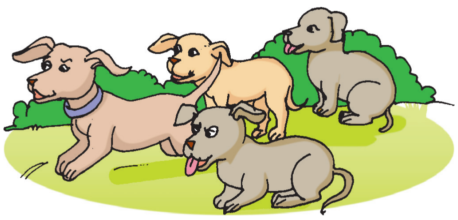
कुक्कुरः	कुक्कुरौ	कुक्कुराः
	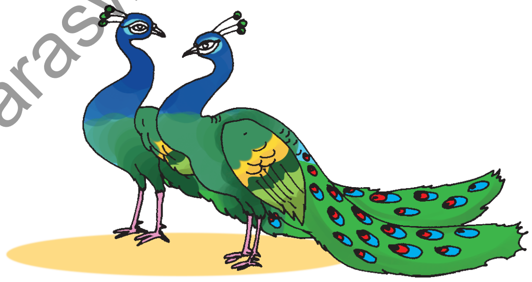	
मयूरः	मयूरौ	मयूराः
	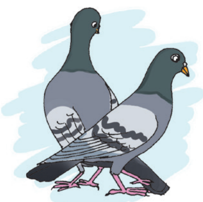	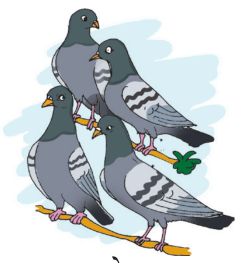
कपोतः	कपोतौ	कपोताः

© New Saraswati House (India) Private Limited

एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
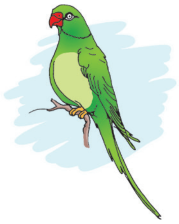 शुकः	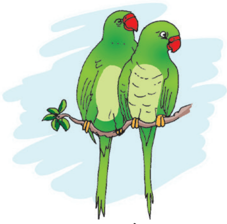 शुकौ	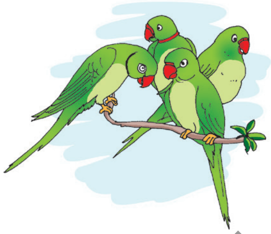 शुकाः
काकः	काकौ	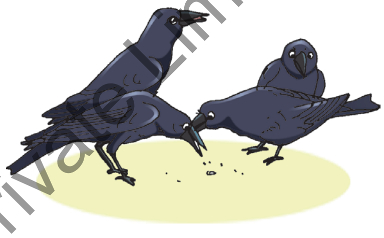 काकाः
पिकः	पिकौ	पिकाः
वृक्षः	वृक्षौ	वृक्षाः
पादपः	पादपौ	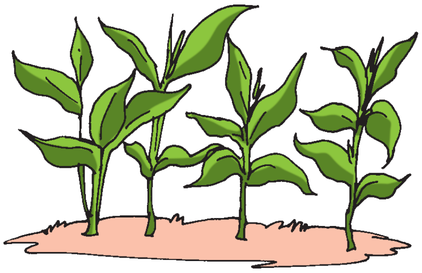 पादपाः

© New Saraswati House (India) Private Limited

एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
तारकः	तारकौ	तारकाः
मेघः	मेघौ	मेघाः
		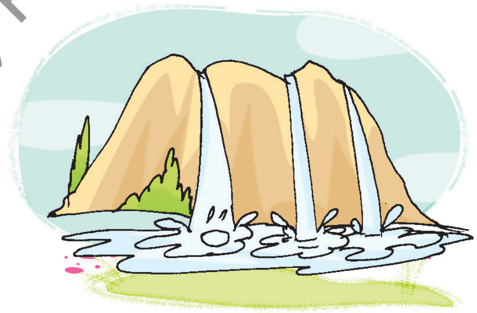
निर्झरः	निर्झरौ	निर्झराः
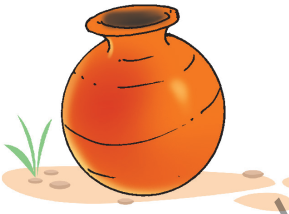		
घटः	घटौ	घटाः
	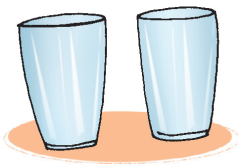	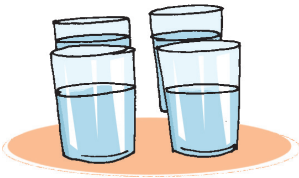
चषकः	चषकौ	चषकाः
मृगः	मृगौ	मृगाः
वानरः	वानरौ	वानराः

© New Saraswati House (India) Private Limited

गर्दभः	गर्दभौ	गर्दभाः
उष्ट्रः	उष्ट्रौ	उष्ट्राः
अजः	अजौ	अजाः
भुजंगः	भुजंगौ	भुजंगाः
बिडालः	बिडालौ	बिडालाः
मत्स्यः	मत्स्यौ	मत्स्याः
खगः	खगौ	खगाः
हंसः	हंसौ	हंसाः
बकः	बकौ	बकाः
पर्वतः	पर्वतौ	पर्वताः
नृपः	नृपौ	नृपाः
हस्तः	हस्तौ	हस्ताः
पादः	पादौ	पादाः

शब्द-शक्तिः (Word Meanings)

मेघः	–	बादल	cloud	**गजः**	–	हाथी	elephant
भल्लुकः	–	भालू	bear	**मूषकः**	–	चूहा	mouse
चित्रकः	–	चीता	cheetah	**कुक्कुरः**	–	कुत्ता	dog
मयूरः	–	मोर	peacock	**पादपः**	–	पौधा	plant
कपोतः	–	कबूतर	pigeon	**घटः**	–	घड़ा	pitcher
शुकः	–	तोता	parrot	**पर्वतः**	–	पहाड़	mountain
काकः	–	कौआ	crow	**पादः**	–	पैर	foot
पिकः	–	कोयल	cuckoo	**बकः**	–	बगुला	crane
मृगः	–	हिरण	deer	**मत्स्यः**	–	मछली	fish
वानरः	–	बंदर	monkey	**भुजंगः**	–	साँप	snake
गर्दभः	–	गधा	donkey	**निर्झरः**	–	झरना	spring
उष्ट्रः	–	ऊँट	camel	**श्रमिकः**	–	मज़दूर	labourer
कृषकः	–	किसान	farmer	**बिडालः**	–	बिल्ली	cat
अश्वः	–	घोड़ा	horse	**प्रकाशः**	–	रोशनी	light
हस्तः	–	हाथ	hand	**चषकः**	–	गिलास	glass
खगः	–	पक्षी	bird	**नृपः**	–	राजा	king
तारकः	–	तारा	star	**पत्रवाहकः**	–	डाकिया	postman

© New Saraswati House (India) Private Limited

अभ्यास

सम्प्रति लेखनीयम्

1. निम्नशब्दान् संस्कृतेन लिखत।

(निम्न शब्दों को संस्कृत में लिखिए। Write the following words in Sanskrit.)

(क) मज़दूर	....	(ख) दो तोते	....
(ग) अनेक वृक्ष	....	(घ) कोयल	....
(ङ) दो गधे	....	(च) अनेक तारे	....
(छ) दो पैर	....	(ज) बगुला	....
(झ) अनेक मछलियाँ	....	(ञ) अनेक पक्षी	....

2. उचितम् अर्थं चित्वा लिखत।

(उचित अर्थ छाँटकर लिखिए। Choose the correct answer and fill in the blanks.)

(क) कुक्कुराः	=	(दो कुत्ते, अनेक कुत्ते)	....
(ख) पादाः	=	(दो पैर, अनेक पैर)	....
(ग) कपोतौ	=	(कबूतर, दो कबूतर)	....
(घ) सैनिकौ	=	(सैनिक, दो सैनिक)	....
(ङ) काकः	=	(कौआ, तोता)	....
(च) बकः	=	(बगुला, सारस)	....
(छ) वानराः	=	(अनेक बंदर, चूहे)	....
(ज) भुजंगः	=	(मछली, साँप)	....
(झ) उष्ट्रः	=	(घोड़ा, ऊँट)	....
(ञ) मृगः	=	(हिरण, गाय)	....
(ट) पादपाः	=	(अनेक पैर, अनेक पौधे)	....
(ठ) बकाः	=	(अनेक बगुले, मोर)	....
(ड) घटः	=	(घड़ी, घड़ा)	....
(ढ) पादौ	=	(दो पैर, दो जूते)	....
(ण) अश्वौ	=	(घोड़ा, दो घोड़े)	....

© New Saraswati House (India) Private Limited

3. **निम्नशब्दानां वचनानुसारेण विभाजनं कुरुत।**

(निम्न शब्दों को वचन के आधार पर अलग-अलग कीजिए। Classify the given words according to their number.)

श्रमिकाः, अध्यापकौ, गर्दभः, मत्स्यः, काकाः, चषकः, बालौ,
हंसाः, छात्रौ, देवाः, कृषकौ, शुकौ, गजाः, मयूरः, मेघः।

एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....

मूल्यपरकम्

1. किम् बालकः बालिका च समानौ मन्तव्यौ? (क्या लड़के और लड़की को समान समझना चाहिए?)
2. किम् पुत्रः एव महत्त्वपूर्णः? (क्या पुत्र ही महत्वपूर्ण है?)

क्रियाकलापः

- छात्रों से पशु-पक्षियों के खिलौने मँगवाकर, उन खिलौनों के समूह बनवाकर एकवचन, द्विवचन और बहुवचन का भेद समझाएँ।

  इसी प्रकार छात्रों को समूहों में बाँटकर एकवचन, द्विवचन और बहुवचन का भेद समझाएँ; यथा—एक छात्र को खड़ा करके एकवचन, दो छात्रों को एक साथ खड़ा करके द्विवचन तथा तीन और उससे अधिक छात्रों को इकट्ठा करके बहुवचन का ज्ञान कराएँ।

सूक्तिः
॥अधनस्य कुतः मित्रम् ॥
(निर्धन का कोई मित्र नहीं होता।)

© New Saraswati House (India) Private Limited

3

आकारान्त–स्त्रीलिंग–शब्दाः

जो शब्द स्त्री जाति का ज्ञान कराते हैं तथा जिनके अंत में 'आ' स्वर आता है वे आकारान्त स्त्रीलिंग शब्द होते हैं। नीचे कुछ स्त्रीलिंग शब्दों के रूप देखिए–

एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्

बाला (एक बालिका)

बाले (दो बालिकाएँ)

बालाः (अनेक बालिकाएँ)

महिला

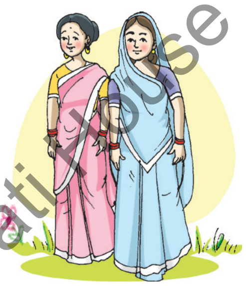
महिले

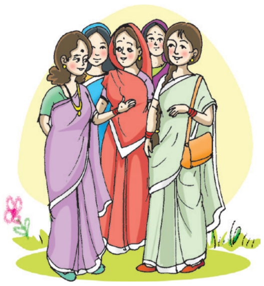
महिलाः

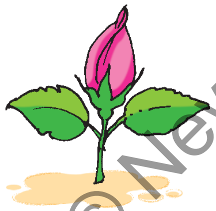
कलिका

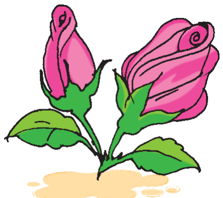
कलिके

कलिकाः

चटका

चटके

चटकाः

© New Saraswati House (India) Private Limited

एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
	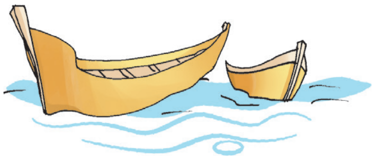	
नौका	नौके	नौकाः
छात्रा	छात्रे	छात्राः
	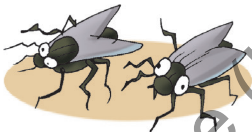	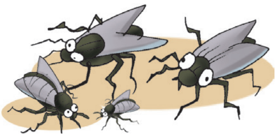
मक्षिका	मक्षिके	मक्षिकाः
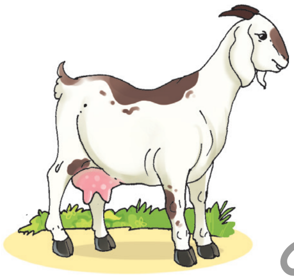	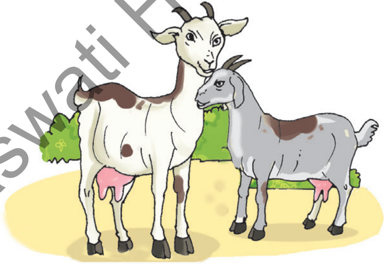	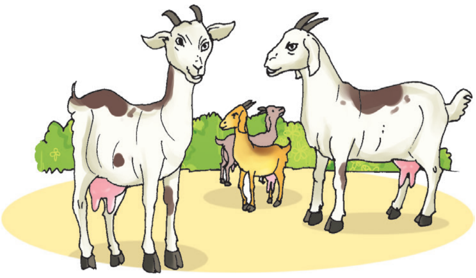
अजा	अजे	अजाः
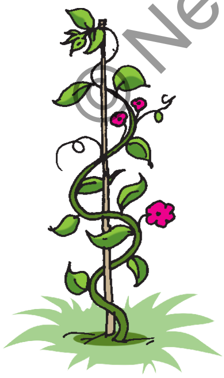	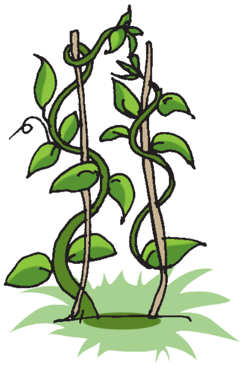	
लता	लते	लताः

© New Saraswati House (India) Private Limited

एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
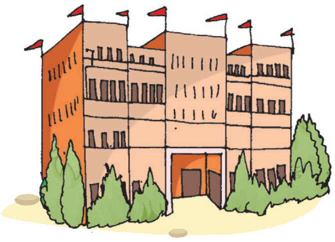	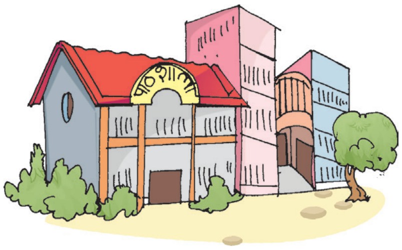	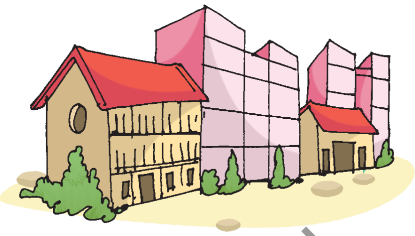
पाठशाला	पाठशाले	पाठशालाः
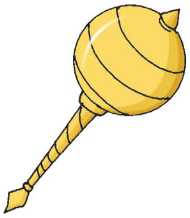	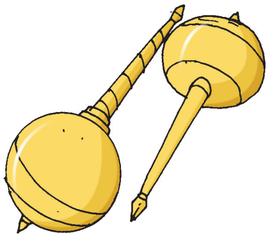	
गदा	गदे	गदाः
कोकिला	कोकिले	कोकिलाः
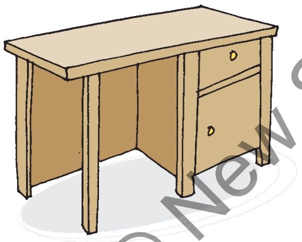	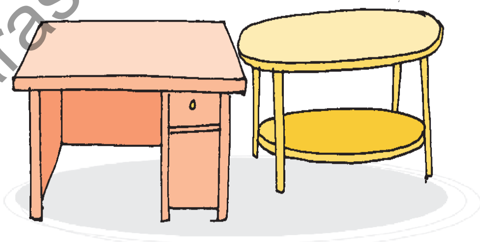	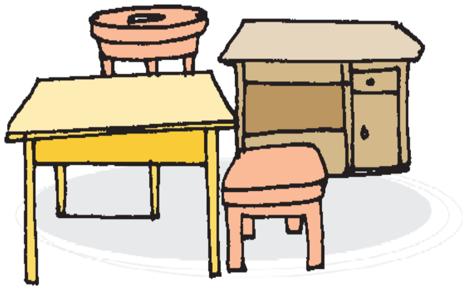
उत्पीठिका	उत्पीठिके	उत्पीठिकाः
	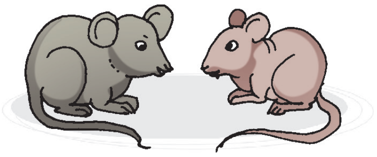	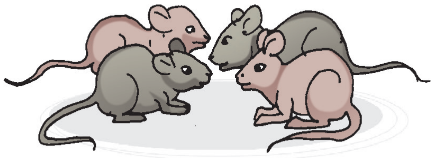
मूषिका	मूषिके	मूषिकाः

© New Saraswati House (India) Private Limited

एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
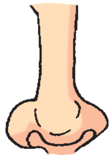		
नासिका	नासिके	नासिकाः
	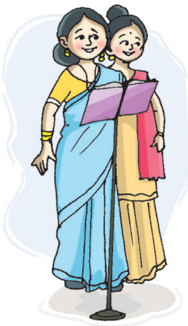	
गायिका	गायिके	गायिकाः
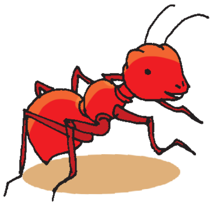	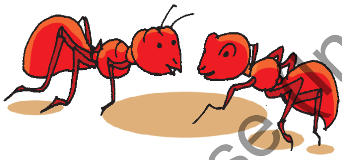	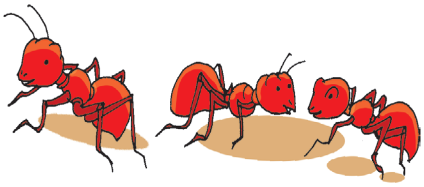
पिपीलिका	पिपीलिके	पिपीलिकाः
शिक्षिका	शिक्षिके	शिक्षिकाः
कन्या	कन्ये	कन्याः
वाटिका	वाटिके	वाटिकाः
लेखिका	लेखिके	लेखिकाः
जटा	जटे	जटाः
नायिका	नायिके	नायिकाः

© New Saraswati House (India) Private Limited

शब्द-शक्तिः (Word Meanings)

कलिका	– कली	bud		मूषिका	– चूहिया	mouse
चटका	– चिड़िया	bird		नासिका	– नाक	nose
नौका	– नाव	boat		पिपीलिका	– चींटी	ant
मक्षिका	– मक्खी	fly		शिक्षिका	– अध्यापिका	teacher
अजा	– बकरी	goat		वाटिका	– बगीचा	garden
लता	– बेल	creeper		धरा	– धरती	earth
गदा	– प्राचीन काल का एक हथियार	mace		जटा	– बालों की लट	braided hair
कोकिला	– कोयल	cuckoo		नायिका	– अभिनेत्री	actress

अभ्यास

सम्प्रति लेखनीयम्

1. उचितम् संस्कृतपदं चिनुत।

(उचित संस्कृत शब्द छाँटिए। Tick (✓) the correct Sanskrit word.)

(क) एक लड़की = (कन्या, बाले)

(ख) अनेक मक्खियाँ = (मक्षिकाः, मक्षिके)

(ग) एक लता = (लते, लता)

(घ) दो बकरियाँ = (अजाः, अजे)

(ङ) दो कलियाँ = (कलिका, कलिके)

(च) अनेक गदाएँ = (गदाः, गदा)

(छ) अनेक चिड़ियाँ = (चटकाः, चटका)

(ज) अनेक चींटियाँ = (पिपीलिके, पिपीलिकाः)

(झ) दो कोयलें = (कोकिले, कोकिला)

(ञ) अनेक लड़कियाँ = (बाले, कन्याः)

2. निम्नशब्दान् हिन्दीभाषया लिखत।

(निम्न शब्दों को हिंदी में लिखिए। Write the following words in Hindi.)

(क) महिले = ...

(ख) चटकाः = ...

(ग) छात्राः = ...

(घ) पाठशाला = ...

(ङ) नौका = ...

(च) नासिका = ...

(छ) नायिके = ...

(ज) शिक्षिका = ...

(झ) धरा = ...

(ञ) उत्पीठिकाः = ...

(ट) मूषिके = ...

(ठ) लते = ...

© New Saraswati House (India) Private Limited

3. निम्नशब्दान् वचनानुसारेण विभिन्नकोष्ठकेषु लिखत।

(निम्न शब्दों को वचन के अनुसार अलग-अलग कोष्ठक में लिखिए। Write the following words in the given columns according to their number.)

गायिकाः, वाटिका, पाठशाले, कन्याः, जटाः, नायिका, कोकिले, वर्षा, मक्षिके, नौकाः, कलिकाः, चटका, शिक्षिके, लता, अजे।

एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....

मूल्यपरकम्

1. किम् बालक-बालिकानां च समानाः अधिकाराः? (क्या लड़के-लड़कियों के एक समान अधिकार हैं?)
2. किम् बालकेभ्यः बालिकानाम् उपलब्धिं न्यूना? (क्या लड़कों से लड़कियों की उपलब्धियाँ कम हैं?)

क्रियाकलापः

1. छात्रों से विभिन्न आकारान्त स्त्रीलिंग शब्द वाले पशुओं, पक्षियों और वस्तुओं के चित्र मँगवाकर संचिका में चिपकाने को कहें और उनके नीचे उनके नाम संस्कृत में लिखवाएँ।
2. छात्रों को कक्षा की आकारान्त स्त्रीलिंग नामों वाली छात्राओं के नाम लिखने को कहें।
3. उपर्युक्त नामों के एकवचन, द्विवचन और बहुवचन के रूपों को संचिका में लिखने को कहें; जैसे—

छात्रा-नाम	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
(क) मुक्ता	मुक्ता	मुक्ते	मुक्ताः
(ख) मणिका	मणिका	....	....
(ग)	....	....	....

इत्यादि।

सूक्तिः

॥ अमित्रस्य कुतः सुखम् ॥

(मित्र के बिना सुख नहीं मिलता।)

© New Saraswati House (India) Private Limited

4 अकारान्त–नपुंसकलिंग–शब्दाः

जो शब्द पुरुष या स्त्री जाति का बोध नहीं कराते, वे नपुंसकलिंग शब्द कहलाते हैं। नीचे नपुंसकलिंग शब्दों के रूप दिए गए हैं।

एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
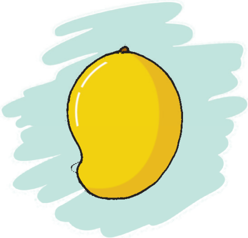 आम्रम् (आम)	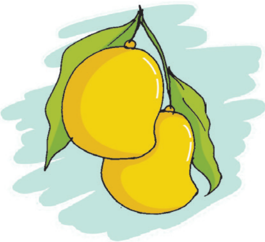 आम्रे (दो आम)	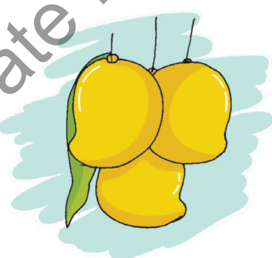 आम्राणि (अनेक आम)
क्रीडनकम्	क्रीडनके	क्रीडनकानि
पात्रम्	पात्रे	पात्राणि
फलम्	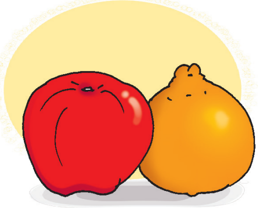 फले	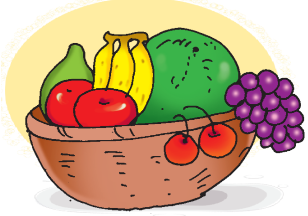 फलानि

© New Saraswati House (India) Private Limited

एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
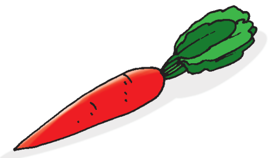 शाकम्	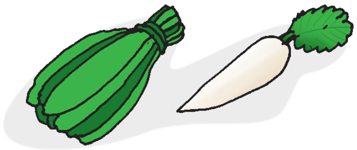 शाके	शाकानि
पुष्पम्	पुष्पे	पुष्पाणि
चित्रम्	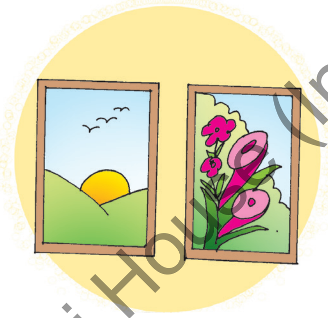 चित्रे	चित्राणि
छत्रम्	छत्रे	छत्राणि
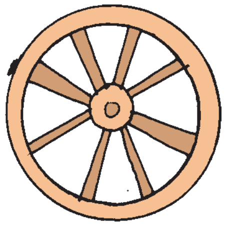 चक्रम्	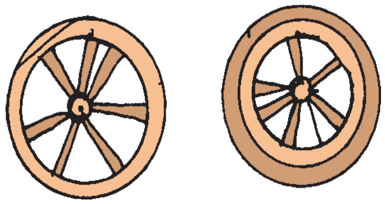 चक्रे	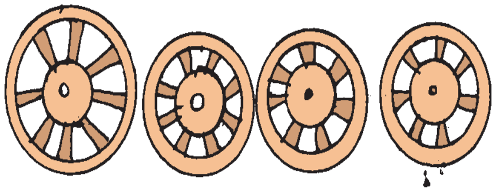 चक्राणि

© New Saraswati House (India) Private Limited

एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
गृहम्	गृहे	गृहाणि
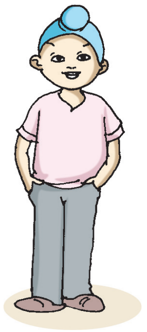	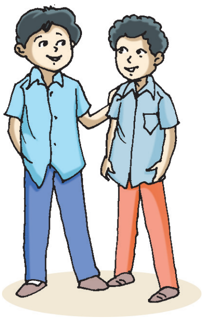	
मित्रम्	मित्रे	मित्राणि
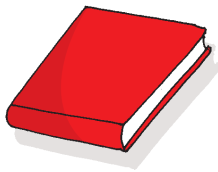	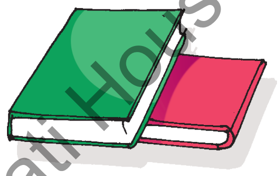	
पुस्तकम्	पुस्तके	पुस्तकानि
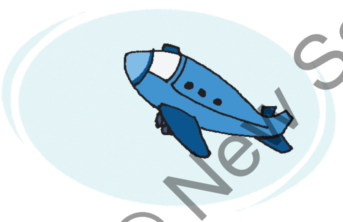	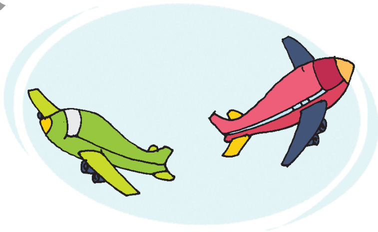	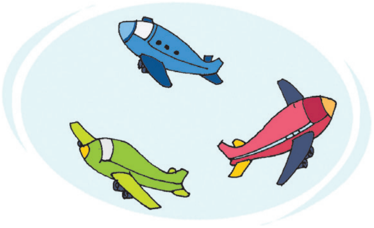
वायुयानम्	वायुयाने	वायुयानानि
पत्रम्	पत्रे	पत्राणि

© New Saraswati House (India) Private Limited

एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
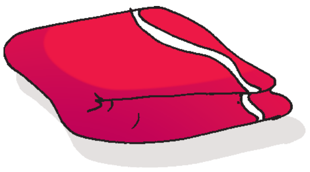	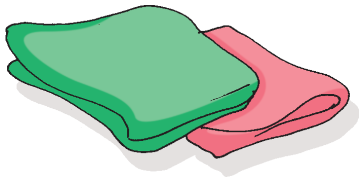	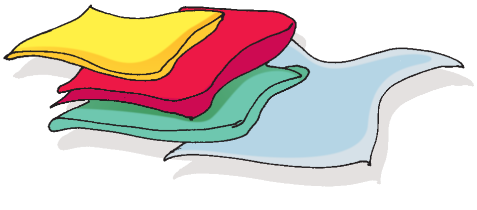
करवस्त्रम्	करवस्त्रे	करवस्त्राणि
उपनेत्रम्	उपनेत्रे	उपनेत्राणि
उद्यानम्	उद्याने	उद्यानानि
मुखम्	मुखे	मुखानि
मन्दिरम्	मन्दिरे	मन्दिराणि
वस्त्रम्	वस्त्रे	वस्त्राणि
वनम्	वने	वनानि
तृणम्	तृणे	तृणानि
दूरदर्शनयन्त्रम्	दूरदर्शनयन्त्रे	दूरदर्शनयन्त्राणि

शब्द-शक्तिः (Word Meanings)

पुष्पम्	– फल	flower	**उपनेत्रम्**	– चश्मा	spectacles
पात्रम्	– बरतन	utensil	**पत्रम्**	– पत्ता/चिट्ठी	leaf/letter
शाकम्	– सब्ज़ी	vegetable	**तृणम्**	– तिनका/घास	grass
छत्रम्	– छतरी	umbrella	**दूरदर्शनयन्त्रम्**	– टी०वी०	television
चक्रम्	– पहिया	wheel	**उद्यानम्**	– बगीचा	garden
गृहम्	– घर	house	**मुखम्**	– मुँह, चेहरा	mouth, face
मित्रम्	– दोस्त	friend	**करवस्त्रम्**	– रुमाल	handkerchief
क्रीडनकम्	– खिलौना	toy	**वायुयानम्**	– हवाई जहाज़	aeroplane

विशेष– यदि किसी शब्द का अंतिम वर्ण या उससे पहले का वर्ण 'र्' या 'ष्' हो तो बहुवचन के रूप मे '**नि**' के स्थान पर '**णि**' आ जाता है। जैसे–छत्राणि और पुष्पाणि।

© New Saraswati House (India) Private Limited

अभ्यास

सम्प्रति लेखनीयम्

1. रिक्तस्थानानि पूरयत।

(रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks.)

एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
उदाहरणम्– रामः	रामौ	रामाः
(क) कृषकः	....	....
(ख)	....	केशाः
(ग) कमलम्	....	कमलानि
(घ) वाष्पयानम्	....	....
(ङ) भाषा	....	....
(च)	सुते	....

2. निम्नशब्दरूपाणि (✓) वा (×) चिह्नेन प्रदर्शयत।

(निम्न शब्द रूपों में सही (✓) या गलत (×) का निशान लगाइए। Tick (✓) or (×) the word declensions given below.)

एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्	
(क) वृक्षम्	वृक्षे	वृक्षाणि	☐
(ख) पुत्रम्	पुत्रे	पुत्राणि	☐
(ग) पर्वतः	पर्वतौ	पर्वताः	☐
(घ) आम्रम्	आम्रे	आम्राणि	☐
(ङ) रमा	रमे	रमाः	☐

3. निम्नशब्दानाम् उचितम् अर्थम् रेखाङ्कितम् कुरुत।

(नीचे लिखे शब्दों के सही अर्थ को रेखांकित कीजिए। Underline the correct meaning of the following words.)

(क) शाकम् = फल, साग-सब्ज़ी, भोजन।

(ख) क्रीडनकम् = खिलौना, खेल, गेंद।

(ग) तृणम् = तिनका, तालाब, कीड़ा।

(घ) मूषिका = बिल्ली, चुहिया, चिड़िया।

(ङ) अनलः = अग्नि, वायु, पानी।

(च) दुग्धम् = पानी, दूध, चाय।

© New Saraswati House (India) Private Limited

4. निम्नशब्दान् संस्कृतेन लिखत।

(निम्न शब्दों को संस्कृत में लिखिए। Write the following words in Sanskrit.)

(क) एक मुँह = ...   (ख) दो चित्र = ...

(ग) दो मित्र = ...   (घ) दो पहिए = ...

(ङ) दो चश्मे = ...   (च) तिनका = ...

5. निम्नशब्दान् हिन्दीभाषया लिखत।

(निम्न शब्दों का हिंदी में अर्थ लिखिए। Write the following words in Hindi.)

(क) अन्नानि = ...   (ख) शाकम् = ...   (ग) करवस्त्रे = ...

(घ) उद्यानानि = ...   (ङ) चक्रम् = ...   (च) गृहे = ...

6. निम्नशब्दान् वचनानुसारेण विभिन्नवर्गेषु लिखत।

(निम्न शब्दों को वचन के अनुसार अलग-अलग वर्गों में लिखिए। Write the following words in the columns according to their number.)

कमलम्, पुष्पे, फलानि, मुखे, धनम्, वस्त्राणि, तृणानि, भोजनम्,
पुस्तके, पत्रम्, आम्रे, शाकम्, गृहाणि, क्रीडनके, उद्यानानि।

एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....

7. निम्नशब्दान् लिंगानुसारेण विभिन्नवर्गेषु लिखत।

(निम्न शब्दों को लिंग के अनुसार अलग-अलग वर्गों में लिखिए। Write the following words in different columns according to their gender.)

गजः, फलम्, पुस्तकानि, लताः, मयूरौ, वृक्षः, कोकिला, तृणम्,
अध्यापिका, उद्यानम्, मेघाः, हस्तौ, बाला, नासिका, वस्त्राणि।

© New Saraswati House (India) Private Limited

पुंल्लिग	स्त्रीलिंग	नपुंसकलिंग
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....

मूल्यपरकम्

1. किम् त्वम् मित्रस्य सुखावसरे हर्षम् अनुभवसि? (क्या तुम मित्र की खुशी में खुश होते हो?)
2. किम् त्वम् पुस्तकानाम् आदरं करोषि? यदि आम्, तर्हि किमर्थम्? (क्या तुम पुस्तकों का सम्मान करते हो? यदि हाँ, तो क्यों?)

क्रियाकलापः

1. छात्रों से एक आम, दो फूल, तीन खिलौने और पाँच पत्तों के चित्र बनवाकर उनके नीचे क्रमशः आम्रम्, पुष्पे, क्रीडनकानि तथा पत्राणि लिखवाएँ, जिससे वे एकवचन, द्विवचन और बहुवचन का भेद समझ सकें।
2. इसी प्रकार वचनानुसार विभिन्न चित्रों के माध्यम से लिंग-भेद और वचन-भेद छात्रों को समझाया जा सकता है।

(क)

पुष्पे
(नपुंसकलिंग-द्विवचनम्)

(ख)

मूषकाः
(....................................)

(ग)

चटके
(....................................)

(घ)

....
(....................................)

(ङ)

....
(....................................)

(च)

....
(....................................)

सूक्तिः
॥ सदा सत्यं वद ॥
(सदा सच बोलो।)

© New Saraswati House (India) Private Limited

5

धातु–परिचयः
(क्रिया)

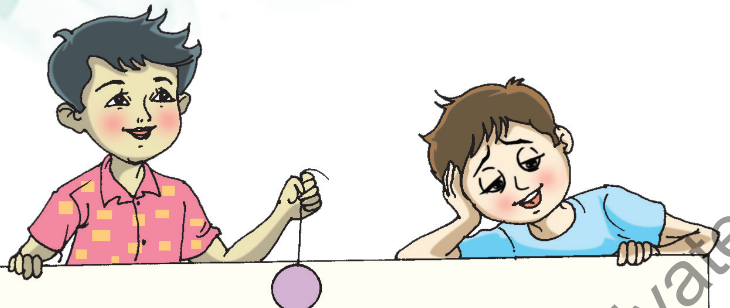

किसी भी कार्य के करने या होने को **क्रिया** कहा जाता है; जैसे—पढ़ना, लिखना, खेलना, हँसना आदि। संस्कृत में इन क्रियाओं को धातु कहते हैं तथा इनके विभिन्न प्रयोगों को धातु–रूप कहा जाता है; जैसे–'हस्' (हँसना) एक धातु है तथा 'हसति' (हँसता है) इसका एकवचन का रूप है। इसी प्रकार द्विवचन में हसतः (दो हँसते हैं) तथा बहुवचन में हसन्ति (सब हँसते हैं) रूप बनते हैं। नीचे कुछ धातुएँ दी गई हैं तथा उनके प्रथम पुरुष, एकवचन, द्विवचन और बहुवचन के रूप भी दिए गए हैं। धातु को '√' चिह्न से भी लक्षित किया जाता है; जैसे– √पठ् इत्यादि।

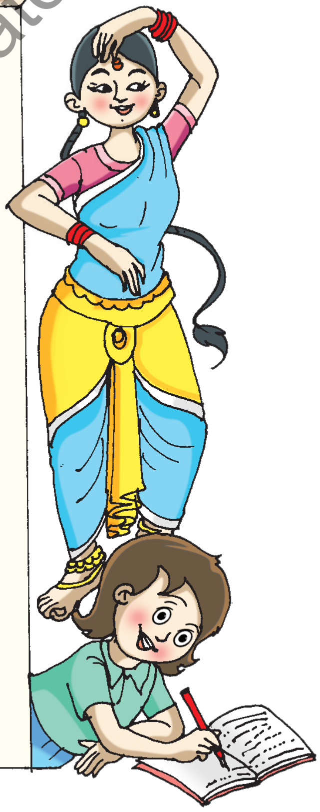

© New Saraswati House (India) Private Limited

धातुः	अर्थः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
पठ्	पढ़ना	पठति (पढ़ता है।)	पठतः (दो पढ़ते हैं।)	पठन्ति (सब पढ़ते हैं।)

धातुः	अर्थः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
हस्	हँसना	 हसति	 हसतः	 हसन्ति
धाव्	दौड़ना	 धावति	 धावतः	 धावन्ति
खाद्	खाना	 खादति	 खादतः	 खादन्ति
वद्	बोलना	 वदति	 वदतः	 वदन्ति
दृश् (पश्य्)	देखना	 पश्यति	 पश्यतः	 पश्यन्ति

© New Saraswati House (India) Private Limited

धातुः	अर्थः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
नृत् (नृत्य्)	नृत्य करना	नृत्यति	नृत्यतः	नृत्यन्ति
रक्ष्	रक्षा करना	रक्षति	रक्षतः	रक्षन्ति

नित्य प्रयोग में आने वाली कुछ अन्य धातुएँ हैं–

गम् (गच्छ्)	जाना	गच्छति	गच्छतः	गच्छन्ति
क्रीड्	खेलना	क्रीडति	क्रीडतः	क्रीडन्ति
लिख्	लिखना	लिखति	लिखतः	लिखन्ति
भू (भव्)	होना	भवति	भवतः	भवन्ति
अस्	होना	अस्ति	स्तः	सन्ति
पत्	गिरना	पतति	पततः	पतन्ति
नम्	नमस्कार करना	नमति	नमतः	नमन्ति
भ्रम्	घूमना	भ्रमति	भ्रमतः	भ्रमन्ति
दा (यच्छ्)	देना	यच्छति	यच्छतः	यच्छन्ति
पा (पिब्)	पीना	पिबति	पिबतः	पिबन्ति
कथ् (कथय्)	कहना	कथयति	कथयतः	कथयन्ति
कूज्	कूजना	कूजति	कूजतः	कूजन्ति

© New Saraswati House (India) Private Limited

अभ्यास

सम्प्रति लेखनीयम्

1. चित्राणि दृष्ट्वा उचितं धातुं चिनुत।

(चित्रों को देखकर सही धातु छाँटिए। See the pictures and tick (✓) the correct root.)

(लिख्, पठ्, हस्)

(वद्, धाव्, हस्)

(धाव्, पत्, गम्)

2. निम्नलिखितक्रियाणां उचितधातुभिः सह मेलनं कुरुत।

(नीचे लिखी क्रियाओं और धातुओं को आपस में मिलाइए। Match the following verbs with appropriate roots.)

(क) लिखना	(*i*) धाव्
(ख) देखना	(*ii*) लिख्
(ग) भागना	(*iii*) पत्
(घ) खाना	(*iv*) दृश्
(ङ) गिरना	(*v*) खाद्

3. उचितं क्रियापदं चिनुत।

(उचित क्रिया पद चुनिए। Select the correct verb.)

(क) दो लिखते हैं।	(लिखतः, लिखन्ति)	(ख) सब हँसते हैं।	(हसति, हसन्ति)
(ग) पढ़ता है।	(पठतः, पठति)	(घ) नृत्य करते हैं।	(नृत्यन्ति, नृत्यतः)
(ङ) दो दौड़ते हैं।	(धावन्ति, धावतः)	(च) सब पीते हैं।	(पिबति, पिबन्ति)

4. निम्नधातुरूपाणां हिन्दीभाषया उचितम् अर्थम् लिखत।

(निम्न धातु रूपों का हिंदी में उचित अर्थ चुनकर लिखिए। Choose and write the correct meaning of the verbs in Hindi.)

(क) कूजन्ति .... (कूजते हैं, उड़ते हैं, तैरते हैं)

(ख) गच्छतः .... (जाता है, दो जाते हैं, सब जाते हैं)

© New Saraswati House (India) Private Limited

(ग) खादति .... (खेलता है, खाता है, खोदता है)

(घ) क्रीडति .... (घूमती है, खेलती है, रोता है)

(ङ) पश्यन्ति .... (देखती है, दो देखते हैं, सब देखती हैं)

(च) रक्षतः .... (रक्षा करते हैं, रक्षा करता है, दो रक्षा करते हैं)

मूल्यपरकम्

1. किम् त्वम् स्वकार्यम् स्वयमेव करोषि? (क्या तुम अपना काम स्वयं करते हो?)
2. किम् त्वम् पठनकाले पठसि क्रीडाकाले च खेलसि? (क्या तुम पढ़ने के समय पढ़ते हो और खेलने के समय खेलते हो?)

क्रियाकलापः

- छात्रों से अकारान्त पुंल्लिग, आकारान्त स्त्रीलिंग और नपुंसकलिंग शब्दों का एक शब्दकोष बनवाएँ जो संस्कृत शब्दों और चित्रों से भरपूर हो। इसी प्रकार उन्हें प्रेरित करें कि वे चित्रों के माध्यम से कुछ क्रियाओं को भी निरूपित करें; जैसे–

(क)

पचति

(ख)

नृत्यतः

(ग)

....

(घ)

....

(ङ)

....

(च)

....

सूक्तिः

॥ धर्मं चर ॥

(धर्म पर चलो।)

© New Saraswati House (India) Private Limited